PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 010
दि. 10.05.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री 10 मई को कर्नाटक और तेलंगाना का दौरा करेंगे

प्रधानमंत्री हैदराबाद में लगभग 9,400 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं की नींव रखेंगे, उनका उद्घाटन करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे

प्रधानमंत्री वारंगल में पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन करेंगे और संगारेड्डी में जहीराबाद औद्योगिक क्षेत्र की नींव रखेंगे

प्रधानमंत्री हैदराबाद-पणजी आर्थिक गलियारे पर गुडेबेलूर से महबूबनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-167 को चार लेन करने के लिए निर्माण कार्य की नींव रखेंगे

प्रधानमंत्री हैदराबाद के मलकापुर में इंडियन ऑयल के ग्रीनफील्ड टर्मिनल को राष्ट्र को समर्पित करेंगे

प्रधानमंत्री हैदराबाद में कैंसर के उपचार के लिए चार भागों वाले अत्याधुनिक मल्टी सुपर स्पेशलिटी देखभाल अस्पताल सिंधु अस्पताल को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे

प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 10 मई, 2026 को कर्नाटक और तेलंगाना की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री सुबह लगभग 11 बजे बेंगलुरु में 'आर्ट ऑफ लिविंग' की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेंगे और इस अवसर पर सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री हैदराबाद के लिए रवाना होंगे और दोपहर लगभग 3 बजे वे लगभग 9,400 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं की नींव रखेंगे, उनका उद्घाटन करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वे इस अवसर पर सभा को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर लगभग 3:45 बजे हैदराबाद में सिंधु अस्पताल को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री बेंगलुरु में

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर द्वारा 1981 में स्थापित, आर्ट ऑफ लिविंग एक वैश्विक स्वयंसेवी और शैक्षणिक संगठन के रूप में विकसित हुआ है। यह संगठन 182 देशों में है। प्रधानमंत्री संगठन की 45वीं वर्षगांठ और गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के 70वें जन्मदिन समारोह में भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में नवनिर्मित ध्यान मंदिर का भी उद्घाटन करेंगे। यह आंतरिक शांति और समग्र कल्याण के लिए एक समर्पित ध्यान कक्ष है। वे आर्ट ऑफ लिविंग की राष्ट्रव्यापी सेवा पहलों का भी शुभारंभ करेंगे, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, प्रकृति का संरक्षण और सामाजिक परिवर्तन पर वर्ष भर चलने वाली परियोजनाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री हैदराबाद में

प्रधानमंत्री लगभग 9,400 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं की नींव रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं का सामूहिक उद्देश्य संपर्क को मजबूत करना, रसद दक्षता में सुधार करना, सुरक्षा बढ़ाना और यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

प्रधानमंत्री हैदराबाद-पणजी आर्थिक गलियारे पर गुडेबेलूर से महबूबनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-167 के चार लेन के निर्माण की नींव रखेंगे। इस परियोजना की कुल लागत 3,175 करोड़ रुपये से अधिक है। इस परियोजना से सुगम, सुरक्षित और निर्बाध यातायात सुनिश्चित होगा जिससे यात्रा के समय में लगभग 1 घंटा 30 मिनट की कमी आएगी और ईंधन की खपत तथा वाहन रखरखाव लागत में भी कमी आएगी। यह राजमार्ग तेलंगाना और कर्नाटक के बीच संपर्क को मजबूत करेगा और दोनों राज्यों में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा।

प्रधानमंत्री संगारेड्डी जिले में हैदराबाद-नागपुर औद्योगिक गलियारे (एचएनआईसी) के अंतर्गत विकसित किए जा रहे जहीराबाद औद्योगिक क्षेत्र की नींव भी रखेंगे। यह परियोजना राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम का हिस्सा है। 3,245 एकड़ में फैले इस क्षेत्र को 2,350 करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत से विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना रणनीतिक रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग-65 के किनारे स्थित है और प्रमुख शहरों, बंदरगाहों, रेल नेटवर्क और हवाई अड्डों से निर्बाध बहुआयामी संपर्क प्रदान करेगी।

एक स्मार्ट एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप के रूप में परिकल्पित, जहीराबाद औद्योगिक क्षेत्र में उन्नत और टिकाऊ बुनियादी ढांचा होगा और यह अगली पीढ़ी के उद्योगों के लिए सहायक होगा। प्रमुख क्षेत्रों में ऑटोमोबाइल, खाद्य प्रसंस्करण, मशीनरी, धातु और विद्युत उपकरण शामिल हैं। इस परियोजना से लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश होने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

प्रधानमंत्री वारंगल में पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन करेंगे, जिसे काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क के नाम से भी जाना जाता है और यह पीएम मित्र योजना के अंतर्गत विकसित किया गया है। लगभग 1,700 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित यह पार्क भारत का पहला पूर्णतः चालू पीएम मित्र पार्क है और भारत सरकार के 5एफ विजन - फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन - को साकार करता है। प्रस्तावित नागपुर-विजयवाड़ा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे (राष्ट्रीय राजमार्ग -163जी) के निकट और राष्ट्रीय राजमार्ग-163 के करीब स्थित यह पार्क प्रमुख रेलवे नेटवर्क और बंदरगाहों से उत्कृष्ट मल्टीमॉडल संपर्क प्रदान करता है, जिससे वैश्विक व्यापार के लिए सुगम रसद सुनिश्चित होती है। विश्व स्तरीय औद्योगिक तंत्र के रूप में डिजाइन किया गया यह पार्क अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है जिसमें एक व्यापक आंतरिक सड़क नेटवर्क, समर्पित विद्युत सबस्टेशन और निश्चित जल आपूर्ति शामिल है। यह शून्य तरल प्रवाह तकनीक वाले सार्वजनिक दूषित जल शोधन संयंत्र के माध्यम से सतत विकास पर भी बल देता है।

प्रधानमंत्री लगभग 1,535 करोड़ रुपये की प्रमुख रेलवे अवसंरचना परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इनमें काजीपेट-विजयवाड़ा बहु-ट्रैकिंग परियोजना के 118 किलोमीटर लंबे कई खंड शामिल हैं। यह परियोजना व्यस्त ग्रैंड ट्रंक गलियारे की लाइन क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे ट्रेनों का संचालन तेज होगा, भीड़ कम होगी, समय की पाबंदी में सुधार होगा और पूरे क्षेत्र में माल ढुलाई को बढ़ावा मिलेगा।

इसके अलावा, काजीपेट रेल अंडररेल बाईपास राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। यह रणनीतिक परियोजना हैदराबाद, बलहारशाह और विजयवाड़ा की ओर एक साथ ट्रेनों के आवागमन को सक्षम बनाकर काजीपेट जंक्शन पर भीड़भाड़ को कम करेगी, जिससे परिचालन दक्षता में सुधार होगा और देरी कम होगी।

प्रधानमंत्री हैदराबाद में इंडियन ऑयल की 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित मलकापुर टर्मिनल परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मलकापुर टर्मिनल की स्थापना पेट्रोलियम उत्पादों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने और क्षेत्र की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए की गई है। इस टर्मिनल की कुल टैंक क्षमता 1,65,000 किलोलीटर है।

भारत के स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, प्रधानमंत्री हैदराबाद में स्थित सिंधु अस्पताल को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह कैंसर के उपचार के लिए अत्याधुनिक मल्टी सुपर स्पेशलिटी गैर-लाभकारी संस्थान है। 2.1 मिलियन वर्ग फुट में फैले 18 मंजिला इस अस्पताल में 1,500 बिस्तर, 150 से अधिक डॉक्टर परामर्श कक्ष और 29 उन्नत ऑपरेशन थिएटर हैं। अस्पताल में कीमोथेरेपी, विकिरण चिकित्सा, कैंसर सर्जरी, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण, उन्नत गहन देखभाल और 33 से अधिक विशेषज्ञताओं सहित व्यापक देखभाल प्रदान की जाती है। इसमें अत्याधुनिक निदान, आधुनिक प्रयोगशाला और रक्त केंद्र सुविधाएं हैं।

पीएम ने श्री सुवेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री सुवेंदु अधिकारी को आज पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री सुवेंदु अधिकारी ने जनता से गहरे जुड़ाव रखने वाले और उनकी आकांक्षाओं को करीब से समझने वाले नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई है। श्री मोदी ने उन्हें आगामी कार्यकाल की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दी।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने पर श्री दिलीप घोष, श्रीमती अग्निमित्रा पॉल, श्री अशोक कीर्तनिया, श्री क्षुदिराम टुडू और श्री निसीथ प्रमाणिक को भी बधाई दी।

श्री मोदी ने कहा कि इन नेताओं ने जमीनी स्तर पर अथक परिश्रम किया है और जनता की सेवा की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मंत्री बनने पर वे पश्चिम बंगाल के विकास पथ को आगे बढ़ाएंगे और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा; 'श्री सुवेंदु अधिकारी जी को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। उन्होंने जनता से गहराई से जुड़े रहकर और उनकी आकांक्षाओं को करीब से समझते हुए एक उत्कृष्ट नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उनके सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।

'पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर दिलीप घोष जी, अग्निमित्रा पॉल जी, अशोक कीर्तनिया जी, क्षुदिराम टुडू जी और निसीथ प्रमाणिक जी को हार्दिक बधाई।

यूपी में कर्मचारियों को 2% बढ़ी दर से महंगाई भत्ता देने की मांग, जेएन तिवारी ने सीएम योगी को लिखा पत्र

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दो प्रतिशत बढ़ी दर से महंगाई भत्ता व महंगाई राहत (डीए/डीआर) दिए जाने का आदेश तत्काल जारी करने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री को किए गए ईमेल में उन्होंने लिखा है कि यूपी देश का पहला राज्य है जो सबसे पहले अपने कर्मचारियों व पेंशनर्स को महंगाई भत्ता व महंगाई राहत देता रहा है। केंद्र सरकार ने एक जनवरी से बढ़ी दर से महंगाई भत्ता व महंगाई राहत दिए जाने का आदेश जारी कर दिया है।

यूपी चुनाव से पहले योगी सरकार का बड़ा दांव, 50 हजार करोड़ की परियोजनाओं का होगा शिलान्यास

(जीएनएस)।

लखनऊ। बंगाल चुनाव में बड़ी जीत के बाद भाजपा का राजनीतिक केंद्र बिंदू अब उत्तर प्रदेश बनने जा रहा है। राज्य में अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव की तैयारियों में जहां भाजपा संगठन जमीनी स्तर पर काम करने में जुटा है।

वहीं प्रदेश सरकार बड़ी योजनाओं के माध्यम से जनता के बीच पहुंचने की तैयारी में जुट गई है। सरकार अब लगातार बड़ी परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के माध्यम से जनता के बीच अपने पक्ष में चुनावी माहौल बनाएगी। विभागों से लोकार्पण व शिलान्यास से जुड़ी बड़ी परियोजनाओं का ब्योरा मांगा गया है।

विभागों की रिपोर्ट के आधार पर कार्यक्रम तय किए जाएंगे। इन आयोजनों के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच पहुंचाने का काम होगा। लोकार्पण व शिलान्यास के समस्त कार्यक्रम दिसंबर से पहले ही किए जाएंगे। जिसमें मुख्यमंत्री के साथ ही केंद्र व राज्य सरकार के मंत्री शामिल होंगे।

कुछ बड़ी परियोजनाओं में प्रधानमंत्री को भी बुलाया जा सकता है। अकेले लोक निर्माण विभाग ने ही

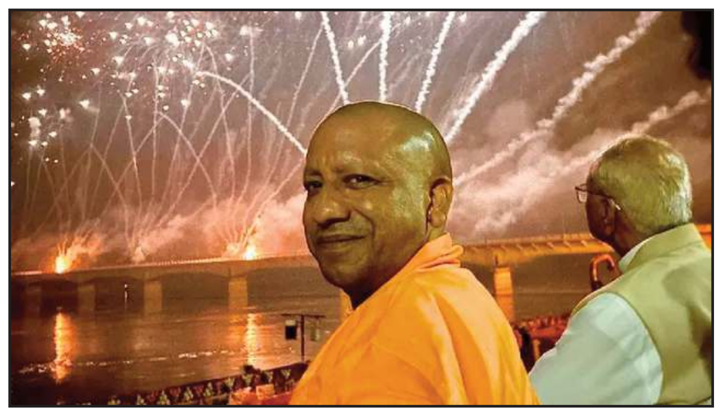

100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 22 परियोजनाओं का लोकार्पण और 18 परियोजनाओं के शिलान्यास की सूची तैयार की है। इन परियोजनाओं की लागत 9720 करोड़ रुपये है। ये सभी परियोजनाएं सड़कों व सेतुओं के निर्माण से संबंधित हैं।

दो हाईवे कॉरिडोर के शिलान्यास की तैयारी

विभाग पूर्वांचल में उत्तर से दक्षिण को जोड़ने वाले दो हाईवे कॉरिडोर के शिलान्यास की तैयारी कर रहा है। ये हाईवे पूर्वांचल के दर्जन भर जिलों को हाईवे नेटवर्क से आपस में जोड़ेंगे। इन दोनों कॉरिडोर से पिछले चुनाव में जहां भाजपा के खराब प्रदर्शन वाले जिले गाजीपुर, अंबेडकर नगर, जौनपुर आदि जुड़ रहे हैं। स्टेट ट्रांसफार्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह के मुताबिक फरुर्खाबाद लिंक एक्सप्रेसवे, जेवर लिंक एक्सप्रेसवे, झांसी लिंक एक्सप्रेसवे तथा आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे का शिलान्यास कराने की तैयारी चल रही है। लखनऊ में विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर तथा नाइट सफारी का शिलान्यास भी होगा। वहीं, मेरठ में बन रही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का लोकार्पण होगा। जानकार बताते हैं कि इन लिंक एक्सप्रेसवे के माध्यम से सरकार प्रदेश के हर हिस्से को संदेश देने का काम करेगी, क्योंकि इन लिंक एक्सप्रेसवे से प्रदेश में पश्चिम से लेकर पूरब और दक्षिण तक के कई जिले सीधे जुड़ रहे हैं।

दो मई को समीक्षा बैठक कर खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित एक्सप्रेसवे, औद्योगिक पार्क, लाजिस्टिक हब और शहरी परियोजनाओं को मिशन मोड पर आगे बढ़ाने का निर्देश अधिकारियों को दे चुके हैं। उन्होने कहा था कि जल्द ही डिफेंस कॉरिडोर के चित्रकूट नोड में भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) की इकाई का शिलान्यास होगा।

स्वस्थ होकर लौटे अजय राय, मुख्यालय में हुआ स्वागत

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय स्वस्थ होकर शनिवार को

कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस नेताओं व कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं व कार्यकताओं से संगठन की गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश के जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी। इससे पहले उन्होंने हजरतगंज के दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में पूजा की।

लखनऊ पहुंचे जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

लखनऊ। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शनिवार को लखनऊ पहुंचे। उनका लखनऊ आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। राज्यसभा सांसद संजय सेठ के आवास पर भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने उनका अभिनंदन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उपराज्यपाल का स्वागत किया। राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे। राज्यसभा सांसद बाबू राम निषाद, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। महापौर सुषमा खर्कवाल और पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह, भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उपराज्यपाल का स्वागत किया।

भारत ने मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल सिस्टम से उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया

(जीएनएस)।

भारत ने 8 मई, 2026 को ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) सिस्टम से उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस मिसाइल का परीक्षण कई विस्फोटकों के साथ किया गया, जिनका लक्ष्य हिंद महासागर क्षेत्र में एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में फैले विभिन्न लक्ष्य थे।

कई जमीनी और जहाज-आधारित स्टेशनों ने टेलीमेट्री और ट्रैकिंग का कार्य किया। इन प्रणालियों ने मिसाइल के प्रक्षेपण से लेकर सभी विस्फोटकों के प्रभाव तक की पूरी यात्रा का पता लगाया। उड़ान डेटा से पता चला कि परीक्षण के दौरान मिशन के सभी उद्देश्य पूरे हुए।

भारत ने इस सफल परीक्षण से एक बार फिर एक ही मिसाइल प्रणाली का उपयोग करके कई महत्वपूर्ण लक्ष्यों को निशाना बनाने की क्षमता का प्रदर्शन किया। इस मिसाइल को डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं ने देश भर के उद्योगों के सहयोग से विकसित किया है। इस परीक्षण के दौरान डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक और भारतीय सेना के जवान उपस्थित थे।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग जगत की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे बढ़ते खतरे को ध्यान में रखते हुए देश की रक्षा तैयारियों को और मजबूती मिलेगी।

शुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आज कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित एक समारोह में पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

मुख्यमंत्री के साथ पांच मंत्रिमंडल मंत्रियों ने भी शपथ ली। राज्यपाल आर एन रवि ने मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

मंत्रिमंडल में दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, निशीथ प्रमाणिक और खुदिराम टुडू शामिल हैं।

सीएम योगी समेत कई मंत्री आज लोकभवन में देखेंगे 'कृष्णावतारम', राज्यपाल की नतिनी ने फिल्म में निभाया है अहम किरदार

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को लोकभवन ऑडिटोरियम में 'कृष्णावतारम' फिल्म देखेंगे।

(जीएनएस)।

लखनऊ। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित प्रदेश सरकार के कई मंत्री रविवार को लोकभवन ऑडिटोरियम में फिल्म 'कृष्णावतारम' (लार्ड कृष्णा) देखेंगे।

फिल्म का प्रसारण शाम चार बजे से किया जाएगा। भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित इस फिल्म में राज्यपाल की नतिनी संस्कृति जयना सत्यभामा का रोल किया है।

पिछले महीने इस फिल्म के निर्देशक हार्दिक गज्जर व कलाकारों ने लखनऊ में मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि भारतीय संस्कृति और विरासत पर आधारित ऐसी फिल्मे बननी चाहिए।

सिद्धार्थ गुप्ता ने कृष्ण, सुष्मिता भट्ट ने राधा, निवाशिनी कृष्णन ने रुक्मिणी और संस्कृति जयना ने सत्यभामा की भूमिका निभाई हैं। यह फिल्म सात मई को ही रिलीज हुई है।

फिल्म भगवान कृष्ण और उनकी पत्नी सत्यभामा की कहानी पर आधारित है। सत्यभामा की भूमिका निभाने वाली संस्कृति जयना की यह पहली फिल्म है। फिल्म में भगवान श्रीकृष्ण की द्वारका से कुरुक्षेत्र तक की यात्रा का वृतांत है।

पंजाब में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर हिंसक प्रदर्शन, बठिंडा में पत्रकारों पर दबाव के खिलाफ प्रदर्शन

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा)

सूरत। आज देशभर में पत्रकारों को सच लिखने की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है, और इसके कई उदाहरण मौजूद हैं। ऐसे उदाहरण भी हैं जहां सच का साथ देने वाले पत्रकारों को मौत तक की सजा भुगतनी पड़ी है। मंगलवार को पंजाब के बठिंडा शहर में बड़ी संख्या में पत्रकार, किसान प्रतिनिधि और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के कार्यालय के बाहर जमा हुए और उन्होंने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। "प्रेस दी आजादी बहाल करो संघर्ष समिति" द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन में शामिल लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर राज्य में प्रेस की आजादी पर हो रहे हमलों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया।

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ नारे लगाए और आरोप लगाया कि स्वतंत्र पत्रकारिता को अधिकारियों द्वारा सुनियोजित रूप से निशाना बनाया जा रहा है। इस विवाद के केंद्र में पत्रकार मनिंदरजीत सिंह सिद्धू के सोशल मीडिया पेज को बंद करने की घटना है। आरोप है कि सिद्धू द्वारा बठिंडा के जियोंद गांव में विवादास्पद मुद्दों पर रिपोर्टिंग करने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। अंत में, सभा ने चेतावनी दी कि पत्रकारों को डराना और उनके काम में दखल देना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का सीधा उल्लंघन है।

समिति ने स्पष्ट धमकी दी है कि यदि अवरुद्ध पृष्ठों को बहाल नहीं किया गया और पत्रकारों के खिलाफ "झूठे मामले" वापस नहीं लिए गए, तो आने वाले दिनों में राज्य भर में आंदोलन तेज किया जाएगा।

लखनऊ में अपना दल कमेरावादी पार्टी का यूजीसी के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन, रेलवे इंजन पर चढ़ीं विधायक डॉ पल्लवी

कमेरावादी पार्टी के साथ लखनऊ में विभिन्न सामाजिक और छात्र युवा संगठनों ने विशाल मार्च निकाला।

(जीएनएस)।

लखनऊ। अपना दल कमेरावादी पार्टी की विधायक पल्लवी पटेल ने शनिवार को लखनऊ में हजारों समर्थकों के साथ यूजीसी रेगुलेशन लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कौशांबी के सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल ने रेलवे ट्रैक पर उतरकर हजारों समर्थकों के साथ चक्का जाम किया।

अपना दल कमेरावादी पार्टी के साथ लखनऊ में विभिन्न सामाजिक और छात्र युवा संगठनों ने विशाल मार्च निकाला। इस दौरान विधायक डॉ पल्लवी पटेल ने कहा कि हम यूजीसी रेगुलेशन 2026 लागू कराने के लिए अंतिम दम तक लड़ेंगे। चारबाग रेलवे स्टेशन से निकले जुलूस को आरक्षण केंद्र पर बैरिकेडिंग लगाकर रोके जाने से आक्रोशित डॉ पल्लवी पटेल ने अपने हजारों समर्थकों के साथ रेलवे ट्रैक पर उतरकर चक्का जाम कर दिया।

जिससे दिल्ली से अयोध्या जाने वाली वंदे भारत ट्रेन को आउटर पर रोक दिया गया, जो लगभग एक घंटे लेट हो गई और स्टेशन पर आवागमन प्रभावित हो गया। पुलिस कर्मियों और कार्यकर्ताओं में नोक-झोक भी हुई। पुलिस और रेल के अधिकारियों ने मशक्कत के बाद ट्रेन के इंजन पर चढ़ीं विधायक डॉ पल्लवी पटेल को उतारा। इसके बाद विधायक समेत प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया।

प्रदर्शनकारियों ने "यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 लागू करो", "हम सबका है ऐलान, सबको शिक्षा सबको मान", "शिक्षण संस्थानों में वंचितों का उत्पीड़न बंद करो" आदि नारे लगाते हुए हाथों में तख्तियां लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान अपना दल कमेरावादी की शीर्ष नेता व सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल ने कहा कि जाति, लिंग धर्म या अक्षमता के आधार पर उच्च शिक्षण संस्थानों में हो रहे भेदभाव एवं उत्पीड़न की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के मुताबिक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनिमय 2026 लाया गया। जिसे तथ्यों और तर्कों के आधार पर समझने की बजाय कुतर्कों के आधार प्रायोजित विरोध की आड़ में न्यायिक प्रक्रिया में ले जाकर फंसा दिया गया, एक अस्थाई स्थगन के आधार पर विश्वविद्यालयों में समता स्थापित करने वाले विनिमय 2026 को न्यायालय में लंबित कर दिया गया।

विधायक ने कहा कि फूट डालो और राज करो की नीति पर चलने वाली भाजपा सरकार की नियत कभी भी इस देश के वंचित एससी एसटी ओबीसी और अल्पसंख्यकों के प्रति ठीक नहीं रही है। अगड़ा और पिछड़ा के बीच में खाई को और चौड़ा करने तथा जनता की बुनियादी कमाई दवाई एवं पढ़ाई जैसे सवालों पर सरकारों की विफलता से ध्यान हटाने के दोहरी लाभ की साजिशों के तहत यह सब किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि रोहित वेमुला, दर्शन सोलंकी, पायल तडवी, अनिल कुमार जैसे ज्ञात और अनगिनत अज्ञात पीड़ितों साथ हुई घटनाओं के पुनरावृति को रोकने के लिए तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा के अवसरों में समानता के लिए बनाए जा रहे प्रावधानों को भ्रामक बहसों एवं अफवाहों में फंसा कर पीड़ितों के साथ न्याय के लिए बनाए गए यूजीसी विनिमय 2026 को अगड़ा बनाम पिछड़ा की लड़ाई का हथियार बना दिया गया। जबकि यह विनियम किसी भी तरीके से किसी खास सामाजिक समुदाय के विरुद्ध नहीं बल्कि हर तरह के शोषक के खिलाफ तथा शोषण परंपराओं पर रोक के लिए है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी, बड़े सुनियोजित साजिश के तहत यूजीसी रेगुलेशन 2026 को न्यायिक प्रक्रिया में फंसा कर इससे होने वाले वोट के लाभ हानि के जोड़ घटाना में लग गई है। वंचित समुदाय का दमन बदस्तूर जारी है। उन्होंने कहा कि ऐसी दमनकारी व्यवस्था और घोर अन्याय के खिलाफ अब सड़क पर लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, सामाजिक न्याय के लिए यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 लागू करने के लिए अंतिम दम तक लड़ेंगे।

वडोदरा में गणेश प्रतिमा विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, उच्च न्यायालय ने आरोपियों के जुलूस पर सख्त रुख अपनाया

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा)

सूरत। पुलिस ने 2025 में वडोदरा में गणेश उत्सव के अवसर पर श्री गणेशजी की प्रतिमा पर अंडे फेंककर शांति भंग करने के आरोपी को गिरफ्तार किया। यह भी पता चला कि गिरफ्तार आरोपियों में से एक नाबालिग था।

पुलिस ने आरोपियों का सार्वजनिक जुलूस निकालकर जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए माफी भी मांगी। पिछले साल अगस्त में पानीगेट के पास श्रीजी की प्रतिमा पर अंडे फेंकने की घटना को लेकर वडोदरा में विवाद खड़ा हो गया है। इस पूरे मामले में पुलिस पर अदालत की अवमानना का आरोप भी लगा है। क्राइम ब्रांच और सिटी पीआई समेत छह अधिकारियों के खिलाफ याचिका दायर की गई है।

हाई कोर्ट ने पांच आरोपियों की याचिका स्वीकार कर ली है। हाई कोर्ट ने कहा है कि पुनर्निर्माण के नाम पर जुलूस नहीं निकाला जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का उल्लंघन करते हुए आरोपियों का जुलूस निकालने के मुद्दे पर हाई कोर्ट ने जवाब मांगा है। यह घटना पिछले साल अगस्त में पानीगेट के पास हुई थी। जिसके कारण तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शहर के पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर मामले की कार्यवाही शुरू कर दी है।

लखनऊ के अंसल प्रॉपर्टी ठगी मामले की अब ईओडब्लू करेगी जांच, 30 से ज्यादा आरोपी रडार पर

लखनऊ में फ्लैट और प्लॉट ठगी से जुड़े चर्चित अंसल प्रकरण की जांच अब आर्थिक अपराध शाखा करेगी। क्राइम ब्रांच ने 30 से अधिक आरोपियों की पहचान की है।

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी में फ्लैट और प्लाट के नाम पर करोड़ों रुपये की कथित ठगी से जुड़े चर्चित अंसल प्रकरण की जांच अब आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) करेगी। क्राइम ब्रांच द्वारा अंसल से जुड़े मामलों की जांच स्थानांतरित करने की तैयारी की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

क्राइम ब्रांच ने इस बारे में प्रस्ताव भी भेजा था जिसे कुछ आपत्तियां लगाकर वापस कर दिया गया था। क्राइम ब्रांच अब उन आपत्तियों को दूर कर फिर से जांच के लिए पत्र भेज रही है। क्राइम ब्रांच की जांच में अब तक 30 से अधिक आरोपितों को चिन्हित किया है जिसमें अंसल के मालिक, प्रोजेक्ट मैनेजर, मार्केटिंग एजेंट और अन्य सहयोगी शामिल हैं।

अंसल प्रापर्टी घोटाले में राजधानी के सुशांत गोल्फ सिटी और गोमतीनगर थाने में 328 मुकदमे दर्ज हैं। आरोप है कि कंपनी ने लोगों से प्लाट और फ्लैट देने के नाम पर करोड़ों रुपये वसूले, लेकिन तय समय पर कब्जा नहीं दिया।

कई मामलों में एक ही संपत्ति को अलग-अलग लोगों को बेचने और वादे के अनुरूप विकास कार्य न कराने की शिकायतें भी सामने आईं। पीड़ितों में लखनऊ के अलावा नोएडा, कानपुर, गोरखपुर, बाराबंकी समेत कई जिलों के खरीदार शामिल हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने सभी मुकदमों की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी थी। पिछले कई महीनों से क्राइम ब्रांच की अलग-अलग टीमें दस्तावेजों की पड़ताल कर रही थीं। जांच के दौरान बड़ी संख्या में पीड़ितों के बयान दर्ज किए गए।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लगभग सभी मामलों में ठगी का तरीका एक जैसा मिला, जिससे मुकदमों में लगाए गए आरोप प्राथमिक जांच में सही पाए गए। सूत्रों के अनुसार 328 मुकदमों को कई पुलिसकर्मियों के बीच बांटकर जांच कराई गई थी।

सभी टीमों ने अपनी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंप दी है। इन्हीं रिपोर्टों के आधार पर 50 से अधिक संदिग्ध लोगों की सूची तैयार की गई, जिनमें से 30 से अधिक के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं। पुलिस अब उनसे पूछताछ की तैयारी कर रही थी। इसके लिए सवालों की सूची तैयार कर नोटिस भेजे गए थे।

हालांकि क्राइम ब्रांच का मानना है कि मामला बड़े आर्थिक अपराध और व्यापक वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है, इसलिए इसकी जांच आर्थिक अपराध शाखा से कराना अधिक प्रभावी होगा। इसी कारण केस ट्रांसफर की प्रक्रिया तेज की गई थी।

पुलिस अधिकारियों के तरफ से जैसे-जैसे जांच को ईओडब्ल्यू भेजी गई थी, लेकिन कुछ आपत्तियां लगाकर वापस कर दी गई थी। ऐसे में उन आपत्तियों को दूर करने के लिए अपराध शाखा उन साक्ष्यों को एकत्रित कर रही है। इसके बाद फिर से जांच को ईओडब्ल्यू भेजी जाएगी ताकि जल्द से जल्द आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

विधायक पल्लवी पटेल पर एफआईआरः लखनऊ में ट्रेन पर चढ़कर नारेबाजी करना पड़ा भारी, 350 समर्थकों पर भी मुकदमा

लखनऊ चारबाग स्टेशन पर प्रदर्शन को लेकर विधायक पल्लवी पटेल पर फ्ढ्रक्र ने ऋक्रक्क दर्ज की है. यूजीसी रेगुलेशन की मांग को लेकर ट्रेन के इंजन पर चढ़ने और रेलवे एक्ट के उल्लंघन का आरोप..

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के सिराथू से अपना दल (कामेरावादी) की विधायक डॉ. पल्लवी पटेल के खिलाफ लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने और प्रदर्शन करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है. आरपीएफ ने विधायक और उनके करीब 350 अज्ञात समर्थकों पर रेलवे एक्ट के तहत यह कार्रवाई की है.

दरअसल, शुक्रवार को डॉ. पल्लवी पटेल के नेतृत्व में अपना दल (कमेरावादी) के कार्यकर्ता 'यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026' को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर चारबाग रेलवे स्टेशन के सरकुलेटिंग एरिया में प्रदर्शन कर रहे थे. दोपहर करीब 1:16 बजे प्रदर्शनकारियों का जत्था अचानक दौड़ते हुए एस्केलेटर के पास वाले गेट से प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर अनाधिकृत रूप से दाखिल हो गया.

रेलवे ट्रैक और इंजन पर प्रदर्शन

विधायक पल्लवी पटेल अपने कार्यकताओं के साथ प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 के बीच खड़ी निरीक्षण यान (परख डीपीसी) पर चढ़ गईं और नारेबाजी करने लगीं. इस दौरान स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

भारी सुरक्षा बल ने हटाया

स्टेशन पर तैनात आरपीएफ निरीक्षक भूपेंद्र सिंह, जीआरपी और सिविल पुलिस बल ने विधायक और उनके समर्थकों को काफी मशक्कत के बाद दोपहर करीब 1:25 बजे स्टेशन परिसर से बाहर किया. पुलिस के अनुसार, उस समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर गिरफ्तारी करना संभव नहीं था, लेकिन सबूतों के आधार पर अब कानूनी शिकंजा कसा गया है.

इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

आरपीएफ ने विधायक पल्लवी पटेल और उनके समर्थकों के कृत्य को 'असंवैधानिक' करार देते हुए रेलवे एक्ट की धाराओं 147 (रेलवे परिसर में अनधिकृत प्रवेश), धारा 145 (सार्वजनिक स्थान पर उपद्रव) और धारा 156 (ट्रेन की छत, इंजन या पायदान पर चढ़कर यात्रा या प्रदर्शन करना) के तहत केस दर्ज किया है.

राजनीतिक गलियारों में हलचल

पल्लवी पटेल का यह प्रदर्शन केंद्र सरकार की शिक्षा नीतियों के खिलाफ एक बड़े विरोध के रूप में देखा जा रहा है. हालांकि, रेलवे स्टेशन जैसे संवेदनशील सार्वजनिक स्थल पर इस तरह के प्रदर्शन ने सुरक्षा और यात्रियों की सुविधा पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

कानपुर-लखनऊ रेल यात्रियों के लिए खुशखबरीः गंगा ब्रिज पर 42 दिन का ब्लॉक खत्म, अब 14 मई से 75 की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

गंगा रेलवे ब्रिज पर 42 दिन का ब्लॉक 13 मई को समाप्त हो रहा है, जिससे 14 मई से कानपुर-लखनऊ ट्रैक पर ट्रेनें 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकेंगी। ..

(जीएनएस)।

कानपुर। गंगा रेलवे ब्रिज पर 42 दिन का ब्लाक 13 मई को खत्म हो जाएगा। 14 मई की सुबह से लखनऊ-कानपुर रेलवे ट्रैक पर ट्रेनें दौड़ने लगेंगी। ट्रैक पर अब नए स्टील स्लीपर डालने का काम अंतिम चरण में है। इसी क्रम में शुक्लागंज में गंगा

रेलवे क्रासिंग से गंगा घाट (कानपुर पुल बायां किनारा) स्टेशन यार्ड में रेलवे ट्रैक की मरम्मत का काम शुरू हो गया है।

गंगा रेलवे ब्रिज पर मौजूद इंजीनियरों ने बताया कि पिछले साल भी एक ट्रैक पर स्लीपर बदले गए थे। इस बार डाउन में भी ट्रैक पर स्लीपर बदल गए हैं। अब अगले 30-40 साल के लिए ट्रैक बहुत मजबूत हो गया है। इस ब्रिज पर पुराने ट्रैक पर 15-30-20 किमी प्रति घंटा की गति से ट्रेनें निकल पा रही थीं, लेकिन ट्रैक पर स्लीपर बदल जाने से ट्रेनें 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार में भी गंगा ब्रिज को आसानी से पार कर सकेंगी।

शनिवार दोपहर तक ब्रिज पर स्लीपर डालने का काम शुक्लागंज रेल क्रासिंग से करीब 30-40 मीटर शेष बचा था। यहां 20-25 श्रमिक स्लीपर डालने और ट्रैक से पुरानी पटरियां और लोहे की चादरों को उखाड़कर नई डालने में जुटे थे। पुरानी पटिया की लंबाई अधिक होने से गैस बिल्डिंग राड से उसे काटा जा रहा था। वहीं, माल वाहक ट्रेलर ट्रेन से नए स्पीलर भी लाकर उतारे जा रहे थे। गंगा ब्रिज के डाउन ट्रैक पर 1,710 स्टील स्लीपर पड़ने हैं। इसमें शुक्रवार तक 1,535 स्लीपर पड़ चुके थे। शेष 175 स्लीपरों को मजदूर ट्रैक पर डालने में व्यस्त थे।

इन ट्रेनों का भी शुरू हो जाएगा संचालन

गंगा रेल ब्रिज (डाउन लाइन) की मरम्मत के लिए दो अप्रैल से 13 मई तक सुबह 09:30 से शाम 05:30 बजे तक के मेगा ब्लाक की वजह से कानपुर-लखनऊ मेमू समेत डाउन की 70-80 ट्रेनों का परिचालन बंद है। स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस, अयोध्या वंदेभारत सहित 29 से अधिक के बदले मार्ग या बीच के स्टेशनों पर टर्मिनेट होकर वापस भेजी गई हैं। इनमें से कानपुर से होकर जाने वाली तीन ट्रेनें एक अप्रैल से ही निरस्त हैं।

आईसीजीएस अचल भारतीय तटरक्षक बल में शामिल हुआ

(जीएनएस)।

भारतीय तटरक्षक बल ने 9 मई, 2026 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में भारतीय तटरक्षक पोत (आईसीजीएस) अचल को सेवा में शामिल कर अपनी परिचालन क्षमता को और मजबूत किया है। यह नई पीढ़ी की अदम्य-श्रेणी में तीव्र गति के जहाजों की श्रृंखला का नवीनतम पोत है। इस जहाज के अचल नाम होने का अर्थ 'अडिग' है, जो भारतीय तटरक्षक बल की राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा, समुद्र में जीवन बचाने और भारतीय समुद्री सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह अत्याधुनिक पोत समुद्री अभियानों की व्यापक जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम है, जिनमें तटीय और अपतटीय निगरानी, अवरोधन गतिविधि, खोज एवं बचाव (एसएआर), तस्करी-रोधी अभियान तथा समुद्री प्रदूषण से निपटने जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

इस जहाज को रक्षा मंत्रालय के अपर सचिव एवं महानिदेशक (अधिग्रहण) ए. अंबरासु ने औपचारिक रूप से भारतीय तटरक्षक

बल में शामिल किया। इस अवसर पर तटरक्षक क्षेत्र (उत्तर-पश्चिम) के कमांडर इंस्पेक्टर जनरल टेकुर शशि कुमार, केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी तथा गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। यह समारोह अत्यंत गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ।

मेसर्स गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित यह पोत भारत की पोत निर्माण क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। 50 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी घटकों से सुसज्जित यह जहाज रक्षा निर्माण क्षेत्र में देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता को दशार्ता है। साथ ही, यह भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' गतिविधियों के अनुरूप स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है।

आईसीजीएस अचल का सेवा में शामिल होना भारतीय तटरक्षक बल के मौजूदा बेड़ा विस्तार कार्यक्रम में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अत्याधुनिक पोत के शामिल होने से तटीय सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी, साथ ही समुद्री निगरानी एवं परिचालन तत्परता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण योगदान प्राप्त होगा।

लखनऊ में भाजपा नेता पर हमला, बदमाशों ने गोलियों से भूना, अस्पताल में भर्ती

लखनऊ में भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता चेतन पर जानलेवा हमला हुआ है. थाना बाजार खाला क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी, जिससे उनकी कमर में दो गोलियां लगी हैं.

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से सनसनीखेज मामला आया है, जहां थाना बाजार खाला क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों ने सरेआम एक बीजेपी (इखढ) नेता पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. इस जानलेवा हमले में भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता को दो गोलियां लगी हैं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया.

सूत्रों से मिली शुरूआती जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने बीजेपी युवा मोर्चा के नेता चेतन को निशाना बनाते हुए फायरिंग की. इस हमले में चेतन की कमर पर दो गोलियां लगी हैं और

वे बुरी तरह लहूलुहान होकर गिर पड़े. आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए लखनऊ के ट्रामा सेंटर ले जाया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी जान बचाने में जुटी हुई है. उनकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है.

ट्रामा सेंटर के बाहर भारी भीड़, पुलिस अलर्ट

सत्तारूढ़ पार्टी के युवा नेता पर सरेआम हुए इस जानलेवा हमले की खबर मिलते ही पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया है. घटना की जानकारी पाते ही भारतीय जनता युवा मोर्चा (इख ट) और बीजेपी के तमाम बड़े नेता और कार्यकर्ता भारी संख्या में ट्रामा सेंटर पहुंच गए हैं. अस्पताल के बाहर भारी भीड़ जमा है और हालात को देखते हुए पुलिस फोर्स भी अलर्ट मोड पर है.

आपसी रंजिश का शक

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है. सूत्रों की मानें तो इस जानलेवा हमले के पीछे पुरानी 'आपसी रंजिश' बताई जा रही है. हालांकि, हमलावर कौन थे और किस वजह से गोली मारी गई, इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी. फिलहाल पुलिस हमलावरों की तलाश में जुट गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है.

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

रणनीति के तहत ईरान लगातार अब भी कर रहा खाड़ी के अन्य देशों पर हमले

अमेरिका और इजरायल के साथ जंग के दौरान ईरान की जवाबी कार्रवाई पारंपरिक लक्ष्यों से आगे बढ़ गई, उसने खाड़ी देशों में लगातार हमले किए और यह सिलसिला अभी भी जारी है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने दावा किया है कि ईरान ने उस पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है, जिन्हें एयर डिपेंस सिस्टम ने रोका। पुजैटा में एक तेल पैसिलिटी पर बहरहाल एक ड्रोन गिरने से आग लग गई, जिसमें 3 भारतीय घायल हो गए। इससे पहले भी टैंकर पर ड्रोन हमले की घटना सामने आई थी। ईरान-अमेरिका के बीच सीजफायर के बाद यह इस तरह का पहला हमला है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यूएई के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार शाम बताया कि देश के अलग- अलग हिस्सों में बैलिस्टिक मिसाल, व्रूज मिसाइल और ड्रोन को इंटरसेप्ट किया जा रहा है। ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिका से जुड़े डिजिटल हब, क्लाउड, इन्प्रास्ट्रकचर और डेटा वेंद्रों को निशाना बनाकर जंग के दायरे को और पैला दिया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने यूएई और बहरीन में डेटा हब्स पर ड्रोन हमले किए। यह आज के जंग में एक अभूतपूर्व कारण है, जिसमें सिर्प साइबर घुसपैठ की बजाए आम लोगों से जुड़ें क्लाउड इंप्रास्ट्रक्चर पर सोची-समझी रणनीति के तहत हमले किए गए हैं? ईरानी सरकारी मीडिया ने कहा कि इसका मकसद इन डेटा सेंटरों की दुश्मन की सैन्य और अन्य गतिविधियों में मदद करने वाली भूमिका को सामने लाना और उसे रोकना है। मौजूदा दौर में क्लाउड इन्प्रास्ट्रक्चर अब दोहरे इस्तेमाल वाली रणनीतिक ढांचे के तौर पर उभरा है। यह बैंकिग एविएशन, हेल्थ केयर, कापोर्रेट कामकाज और गवर्नमेंट जैसे क्षेत्रों में आम लोगों को सेवा देता है। इसके अलावा वह सेना और खुफिया एजेंसियों के कामों में भी मदद करता है। जिसमें एआई आधारित विश्लेषण, सैटलाइट तस्वीरों की प्रोसेसिंग लॉजिस्टिक्स की योजना बनाना और कमांड-एंड-वंट्रोल में मदद करना शामिल है। अमेरिका खासतौर पर बड़े पैमाने पर क्लाउड सेवाएं देने वाली वंपनियों पर निर्भर है। इनमें अमेजन, माइव्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी बड़ी टेक वंपनियां शामिल हैं। ईरान का मानना है कि इन वेंद्रों को निशाना बनाने से जंग की रणनीतियां पूरी तरह बदल जाएंगी और इससे संघर्ष की दिशा पर गहरा असर पड़ सकता है। यूएई इसलिए भी ईरान के निशाने पर है क्योंकि उसका मानना है कि यह अमेरिका, इजरायल के इशारों पर काम करता है और अपनी जमीन का ईरान अमेरिकी हमलों के लिए इस्तेमाल करने की इजाजत देता है। शोधकर्ता खालिद वलीद ने लंदन से प्रकाशित होने वाले अखबार 'अल-वुद्स-अल-अरबी' में एक लेख लिखा यह दिखाता है कि अब रणनीति में बड़ा बदलाव आया है। अब जगहों को नहीं, बल्कि उस व्यवस्था को निशाना बनाया जा रहा है जो निगरानी का काम करती हैं। उन्होंने कहा, इस नजरिए से देखें तो ये वंपनियां अब सिर्प़ तकनीकी सेवाएं देने तक ही सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि वे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सेना के प़ैसले लेने की प्रव्रिया की चेन का हिस्सा बन गई हैं।

'योगी जी इज ग्रेट': बैडमिंटन कोर्ट पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते नजर आए सीएम, कर्नाटक से गुजरात तक के जवानों ने की तारीफ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी में शनिवार को द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर (बैडमिंटन-टेबल टेनिस) प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य शुभारंभ हुआ। गोमतीनगर स्थित बाबू बनारसी दास यूपी बैडमिंटन एकेडमी में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बैडमिंटन कोर्ट पर खिलाड़ियों के साथ हाथ आजमाया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन भी किया। कर्नाटक पुलिस के काली कृष्णा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चीफ मिनिस्टर अच्छे हैं। यूपी एक अच्छा प्रदेश है।

प्रतियोगिता में 1400 खिलाड़ी लेंगे भाग

दरअसल उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर (बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस) 2025-26 प्रतियोगिता 9 से 13 मई तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में देशभर की पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स की टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता में यूपी पुलिस, गुजरात पुलिस, कर्नाटक पुलिस, उड़ीसा पुलिस, छत्तीसगढ़ पुलिस समेत कई राज्यों की टीमें शामिल हुई हैं। आयोजन में करीब 1400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में बैडमिंटन और टेबल टेनिस दोनों खेलों की प्रतिस्पधाएं आयोजित की जाएंगी।

सीएम योगी ने स्मारिका का विमोचन किया

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतियोगिता की स्मारिका का विमोचन भी किया। वहीं खिलाड़ियों को शपथ दिलाने की जिम्मेदारी कपिल चौधरी ने निभाई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। इसके अलावा 35वीं वाहिनी पीएसी के बैंड द्वारा मधुर स्वर लहरियां प्रस्तुत की गईं, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और ऊर्जा से भर गया।

खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री की जमकर सराहना की

प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंचे खिलाड़ियों ने उत्तर प्रदेश सरकार और यूपी पुलिस की व्यवस्थाओं की जमकर सराहना की। कर्नाटक पुलिस के खिलाड़ी काली कृष्णा ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक बहुत अच्छा प्रदेश है और यहां का माहौल बेहद सकारात्मक है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि वह पहली बार इस

प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए हैं और यहां की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी है।

जबकि उड़ीसा पुलिस के खिलाड़ी देवेंद्र कुमार ने बताया कि उनकी टीम से नौ खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंचे हैं।

योगी जी ईज ग्रेट- खिलाड़ी

खिलाड़ी देवेंद्र कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यहां क्वालिटी लेवल का अरेंजमेंट किया गया है और सभी खिलाड़ियों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। देवेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि योगी जी इज ग्रेट। छत्तीसगढ़ पुलिस के खिलाड़ी राजेश मणि सिंह बैडमिंटन के सिंगल, डबल और मिक्स मुकाबलों में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में आकर उन्हें हमेशा अच्छा अनुभव मिलता है। उन्होंने बताया कि वे पहले भी प्रतियोगिताओं के लिए उत्तर प्रदेश आ चुके हैं और हर बार यहां बेहतरीन व्यवस्थाएं देखने को मिली हैं।

गुजरात के 36 खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंचे

राजेश मणि ने कहा कि खिलाड़ियों के रहने, खाने और अन्य सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयोजन समिति हर खिलाड़ी से व्यक्तिगत रूप से फीडबैक ले रही है, जिससे खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

गुजरात पुलिस के खिलाड़ी रियाज सरवैया टेबल टेनिस मेंस सिंगल और डबल मुकाबलों में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि गुजरात से 36 खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंचे हैं। रियाज ने कहा कि लखनऊ एक बेहद खूबसूरत और शानदार शहर है। उन्होंने कहा कि यह उनका लखनऊ का पहला दौरा है और यहां का अनुभव काफी यादगार है। रियाज सरवैया ने यूपी पुलिस की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि जिस स्तर का आयोजन यहां किया गया है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खिलाड़ियों को यूपी पुलिस में प्रमोशन और डायरेक्ट भर्ती जैसे अवसर देकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, जो बेहद सराहनीय कदम है।

तीन जन सुरक्षा योजनाएं - प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के 11 साल पूरे किए

पीएमजेजेबीवाई के तहत कुल नामांकन 27.43 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 29.04.2026 तक 21,512.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है

इसी अवधि के दौरान पीएमएसबीवाई के तहत कुल नामांकन 58.09 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 1,84,662 दावों के लिए 3,667.52 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है

30.04.2026 तक, 9.04 करोड़ से अधिक लोगों ने एपीवाई योजना में नामांकन किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्‍ द्र मोदी द्वारा 9 मई 2015 को शुरू की गई जनसुरक्षा योजनाएं - प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) - समाज के सभी वंचित और कमजोर वर्गों को किफायती वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इन प्रमुख योजनाओं का लक्ष्य नागरिकों को जीवन की अनिश्चितताओं से बचाकर और दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देकर बीमा और पेंशन व्यवस्था को व्यापक बनाना है।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने तीन जन सुरक्षा योजनाओं के मार्गदर्शक सिद्धांतों पर विचार करते हुए कहा, 'माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्‍ द्र मोदी ने कम लागत वाले बीमा और पेंशन लाभ प्रदान करने के लिए पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना सहित जन सुरक्षा योजनाओं का शुभारंभ किया।'

जन सुरक्षा योजनाओं की 11वीं वर्षगांठ के आंकड़ों का उल्‍ लेख करते हुए श्रीमती सीतारमण ने कहा कि पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के तहत क्रमशः 27 करोड़, 58 करोड़ और 9 करोड़ से अधिक नामांकन हुए हैं।

वित्त मंत्री ने पीएमजेजेबीवाई योजना पर कहा कि इस योजना के तहत 10.7 लाख से अधिक परिवारों के 21,500 करोड़ रुपये से अधिक के दावों का निपटारा किया गया है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि पीएमएसबीवाई योजना के तहत 1.84 लाख से अधिक परिवारों के लगभग 3,660 करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया गया है।

श्रीमती सीतारमण ने अपने संबोधन के समापन में कहा 'जन सुरक्षा योजनाओं की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर, बैंकों और बीमा कंपनियों के जमीनी स्तर के कर्मचारियों सहित सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार, जिनके समर्पित प्रयासों से ये योजनाएं इतनी सफल हुई।'

इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने कहा, 'इन योजनाओं का उद्देश्य निर्धनतम लोगों को बीमा कवरेज और पेंशन सहायता प्रदान करना है। योजनाओं में नामांकन और दावों की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने और सरल करने पर ध्‍ यान दिया गया है। ऑनलाइन जन सुरक्षा पोर्टल के शुरू होने से नागरिकों के लिए बैंक शाखाओं या डाकघरों में जाए बिना आसानी से नामांकन करना संभव हुआ है। दावा प्रक्रिया के डिजिटलीकरण से त्वरित निपटान सुनिश्चित हुआ है, जिससे शोक संतप्त परिवारों को सबसे अधिक आवश्यकता के समय सहायता मिल सकी है।'

जन सुरक्षा की तीन योजनाओं - प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की 11वीं वर्षगांठ मनाते हुए, आइए हम याद करें कि कैसे इन योजनाओं ने लोगों को किफायती बीमा और सुरक्षा (जन सुरक्षा) प्रदान की है, इनकी उपलब्धियां और प्रमुख विशेषताएं क्या हैं।

1. प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई)

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) किसी भी कारण से होने वाली मृत्यु के लिए प्रतिदिन 2 रुपये से कम के प्रीमियम पर जीवन बीमा कवर प्रदान करने के लिए बनाई गई है।

योजना की मुख्य विशेषताः पीएमजेजेबीवाई एक वर्षीय बीमा योजना है, जिसे हर साल नवीनीकृत किया जा सकता है। यह योजना एलआईसी और अन्य जीवन बीमा कंपनियों जो आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने और बैंकों/डाकघरों के साथ साझेदारी करने के बाद समान शर्तों पर यह उत्पाद प्रदान करने के लिए इच्छुक हैं, द्वारा संचालित की जाती है। सहभागी बैंक/डाकघर अपने ग्राहकों के लिए योजना को लागू करने हेतु किसी भी जीवन बीमा कंपनी को नियुक्त करने के लिए स्वतंत्र हैं।

पात्रता शर्तेंः योजना में भाग लेने वाले बैंकों/डाकघरों के 18 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के सभी व्यक्तिगत खाताधारक, जो ऑटो-डेबिट में शामिल होने/चालू करने के लिए अपनी सहमति देते हैं, इस योजना में शामिल होने के पात्र हैं। यदि किसी व्यक्ति के एक या अलग-अलग बैंकों/डाकघरों में एक से अधिक खाते हैं, तो वह केवल एक बैंक/डाकघर खाते के माध्यम से ही योजना में शामिल होने के पात्र है।

नामांकन अवधिः यह कवर 1 जून से 31 मई तक एक वर्ष की अवधि के लिए होगा, जिसके लिए निर्धारित प्रपत्रों पर निर्धारित व्यक्तिगत बैंक/डाकघर खाते से ऑटो-डेबिट द्वारा शामिल होने/भुगतान करने का विकल्प आवश्यक होगा।

प्रीमियमः 436/- रुपये प्रति वर्ष प्रति सदस्य। योजना में नामांकन के समय दिए गए विकल्प के अनुसार, प्रीमियम खाताधारक के बैंक/डाकघर खाते से 'ऑटो डेबिट' सुविधा के माध्यम से एक ही किश्त में काट लिया जाएगा। भावी कवरेज के लिए विलंबित नामांकन नीचे लिखे अनुसार आनुपातिक प्रीमियम के भुगतान के साथ संभव है;

क) जून, जुलाई और अगस्त में नामांकन के लिए झ 436/- रुपये का पूरा वार्षिक प्रीमियम देय है।

ख) सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में नामांकन के लिए आनुपातिक प्रीमियम के रूप में 342/- रुपये देय है।

ग) दिसंबर, जनवरी और फरवरी में नामांकन के लिए आनुपातिक प्रीमियम 228/- रुपये देय है।

घ) मार्च, अप्रैल और मई में नामांकन के लिए आनुपातिक प्रीमियम 114/- रुपये देय है।

लाभः ग्राहक की किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। नामांकन की तिथि से 30 दिनों की ग्रहणाधिकार अवधि लागू होगी।

उपलब्धियांः 29.04.2026 तक, पीएमजेजेबीवाई के तहत कुल नामांकन 27.43 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 10,75,625 दावों के लिए 21,512.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

29.04.2026 तक, इस योजना में 12.72 करोड़ महिलाओं ने नामांकन करवाया है और पीएमजेडीवाई खाताधारकों में से 8.09 करोड़ लोगों ने नामांकन करवाया है।

स्रोतः कुल नामांकन के लिए बैंक और बीमा कंपनियां, महिला लाभार्थियों के लिए बैंक और पीएमजेडीवाई खाताधारक

स्रोतः बीमा कंपनियाँ

2. प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई)

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) को दुर्घटना के कारण मृत्यु या विकलांगता होने पर 18 से 70 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को 2 लाख रुपये तक का आकस्मिक मृत्यु और विकलांगता कवर प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इसका न्यूनतम प्रीमियम 2 रुपये प्रति माह से कम है।

योजना की मुख्य विशेषताः पीएमएसबीवाई एक साल का कवर है, जिसे हर साल नवीनीकृत किया जा सकता है।

नवीनीकृत अंधेरी आर एस डाकघर का भविष्य के लिए तैयार सेवा केंद्र के रूप में उद्घाटन

(जीएनएस)।

केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने 'जन सेवा कनेक्ट' के तहत नवीनीकृत अंधेरी आर एस डाकघर का भविष्य के लिए तैयार सेवा केंद्र के रूप में उद्घाटन किया

अंधेरी आर एस डाकघर को 17 राज्यों के 40 डाकघरों में लागू की जा रही विचार प्रमाण (प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट) पहल के तहत चुना गया है; यह जन सेवा कनेक्ट परियोजना के तहत उद्घाटन किया जाने वाला महाराष्ट्र का पहला और भारत का दूसरा डाकघर बन गया है

प्रविष्टि तिथिः 09 टअ 2026 12:09ढट्‌ु८ ढक्ह ऊॅ

केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने 8 मई 2026 को मुंबई में नवीनीकृत अंधेरी रेलवे स्टेशन (आर एस) डाकघर का उद्घाटन किया। यह डाकघर डाक विभाग की प्रमुख पहल, जन सेवा कनेक्ट के तहत भविष्य के लिए तैयार डाकघर के रूप में स्थापित किया गया है।

(केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस मुंबई में जन सेवा कनेक्ट के तहत पुनर्निर्मित अंधेरी आर एस डाकघर का उद्घाटन करते हुए)

मूल रूप से 1932-33 में स्थापित अंधेरी आर एस डाकघर का जीर्णोद्धार भारतीय डाक विभाग के उन प्रयासों के अंतर्गत किया गया है, जिनका उद्देश्य पारंपरिक डाकघरों को

आधुनिक, ग्राहक-केंद्रित और प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवा केंद्रों में परिवर्तित करना है। यह परियोजना नई दिल्ली स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के सहयोग से शुरू की गई है।

(मुंबई में जन सेवा कनेक्ट पहल के तहत हाल ही में उद्घाटन किया गया अंधेरी आर एस डाकघर)

जन सेवा कनेक्ट के अंतर्गत 17 राज्यों के 40 डाकघरों में कार्यान्वित की जा रही प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट पहल के तहत अंधेरी आर एस डाकघर को चयनित स्थलों में से एक के रूप में चुना गया है। यह इस पहल के अंतर्गत उद्घाटन किया जाने वाला महाराष्ट्र का पहला और देश का दूसरा डाकघर है।

उन्नत सुविधा में आधुनिक बुनियादी ढांचा और आंतरिक साज-सज्जा, बेहतर ग्राहक सुविधाएं, डिजिटल एकीकरण, कुशल सेवा वितरण प्रणाली और मजबूत ब्रांडिंग और दृश्य पहचान शामिल हैं।

भारतीय डाक विभाग 1.65 लाख से अधिक डाकघरों के नेटवर्क के साथ, देश में वित्तीय समावेशन और सार्वजनिक सेवा वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभाग ने 2025-26 के दौरान सकल डाक राजस्व में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो इसकी चल रही परिवर्तनकारी पहलों के प्रभाव को दशार्ती है।

(जन सेवा कनेक्ट के तहत पुनर्निर्मित अंधेरी आर एस डाकघर के उद्घाटन के उपलक्ष्य में एक विशेष कवर जारी करते हुए गणमान्य व्यक्ति)

जन सेवा कनेक्ट पहल के तहत नवीनीकृत अंधेरी आर एस डाकघर के उद्घाटन के अवसर पर केंद्रीय संचार और उत्‍ तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र और गोवा सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री अमिताभ सिंह और अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों ने एक विशेष कवर जारी किया।

इस अवसर पर विधायक श्री हारुन खान, श्री रूपेश सावरकर और श्री आचार्य पवन त्रिपाठी भी उपस्थित थे। श्री सिंधिया ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्‍ द्र मोदी के नेतृत्व में एक आधुनिक, भविष्योन्मुखी और नागरिक-केंद्रित डाक अवसंरचना के निर्माण की परिकल्पना को दशार्ती है।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने लोगों को जोड़ने और अंतिम छोर तक सेवाएं पहुंचाने में भारतीय डाक विभाग की भूमिका पर प्रकाश डाला।

जन सेवा कनेक्ट, भारतीय डाक विभाग की प्रमुख अवसंरचना आधुनिकीकरण पहल है जिसका उद्देश्य डाकघरों को सुलभ, कुशल और डिजिटल रूप से सशक्त सामुदायिक सेवा केंद्रों के रूप में पुनर्परिभाषित करना है। इस पहल के तहत भारतीय डाक विभाग ने महाराष्ट्र भर में लगभग 2,000 डाकघरों के उन्नयन का प्रस्ताव रखा है।

संजीव गोयनका के भाई ने खोली आईपीएल की पोल, नौटंकी का अड्डा बन चुके टूनार्मेंट को लेकर बीसीसीआई को चेताया

(जीएनएस)।

आईपीएल 2026 के बीच मशहूर उद्योगपति हर्ष गोयनका ने लीग के भविष्य और इसके गिरते स्तर को लेकर बीसीसीआई को आईना दिखाया है। संजीव गोयनका के भाई हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया पर आईपीएल की गिरती लोकप्रियता पर चिंता जताते हुए कुछ ऐसे आंकड़े और सुझाव साझा किए हैं जो क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बन गए हैं।

गोयनका के अनुसार आईपीएल की टीवी व्यूअरशिप में लगभग 26 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है और बीसीसीआई को इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि आईपीएल अब एक क्रिकेट प्रतियोगिता के बजाय केवल बल्लेबाजों की प्रदर्शनी बनकर रह गया है जिससे खेल का रोमांच खत्म हो रहा है।

हर्ष गोयनका ने लीग में सुधार के लिए चार प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया है। उनका मानना है कि पिचों को इस तरह संतुलित किया जाना चाहिए जहां गेंदबाजों के लिए भी कुछ मदद मौजूद

हो। गोयनका ने इस बात पर नाराजगी जताई कि हर रात 225 रनों का पीछा करना अब उबाऊ हो चुका है क्योंकि क्रिकेट तभी रोमांचक लगता है जब उसमें अनिश्चितता और संतुलन हो।

इम्पैक्ट प्लेयर ने बिगाड़ा गेम

उन्होंने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर भी दोबारा विचार करने की सलाह दी है जो खेल के प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ रहा है। उनके अनुसार केवल चौके-छक्कों की बरसात ही क्रिकेट नहीं है बल्कि गेंद और बल्ले का संघर्ष ही असली मुकाबला है।

सुविधाओं की खोल दी पोल

मैदान के अंदर के खेल के अलावा गोयनका ने स्टेडियम में फैंस को मिलने वाली सुविधाओं की पोल भी खोल दी। उन्होंने कहा कि फ्रेंचाइजी को फैंस के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए। साथ ही उन्होंने स्टेडियम के खराब अनुभव पर कड़ी आपत्ति जताई और बीसीसीआई से अपील की कि दर्शकों के लिए साफ-सुथरे टॉयलेट्स, बैठने की बेहतर व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण खाना और स्टेडियम तक पहुंचने के आसान रास्तों पर काम किया जाए। गोयनका का मानना है कि जब तक दर्शकों को मैदान पर सम्मान और बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलेंगी तब तक फैंस का मोह भंग होता रहेगा।

गेंदबाजों को बराबरी का मौका देने की सलाह

अंत में उन्होंने यह स्पष्ट किया कि क्रिकेट तब सबसे अधिक रोमांचक होता है जब मैच में गेंदबाजों की भी उतनी ही भूमिका हो जितनी बल्लेबाजों की। हर मैच में बड़े स्कोर बनना लीग की लोकप्रियता को कम कर रहा है क्योंकि इसमें असली प्रतिस्पर्धा की कमी दिखने लगी है। गोयनका के इन सुझावों के बाद अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई आगामी सीजन में खेल के रोमांच को वापस लाने और फैंस की सुविधाओं में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महाराणा प्रताप की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महाराणा प्रताप की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि महाराणा प्रताप वीरता और शौर्य के अमर प्रतीक हैं। इस महान योद्धा ने मातृभूमि के सम्मान, गौरव और गरिमा की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप के अदम्य साहस और अटूट आत्मसम्मान की गाथा आने वाली पीढ़ियों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रेरित करती रहेगी।

श्री मोदी ने एक्‍ स पर पोस्ट किया;

'वीरता और पराक्रम के अमर प्रतीक, देश के महान योद्धा महाराणा प्रताप को उनकी जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उन्होंने मातृभूमि की आन-बान और शान की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके अदम्य साहस और अटूट स्वाभिमान की गाथाएं युगों-युगों तक देशवासियों के हृदय में राष्ट्रभक्ति का दीप प्रज्वलित करती रहेंगी।'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पोचीशे बोइशाख के अवसर पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज पोचीशे बोइशाख के विशेष अवसर पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री मोदी ने कहा कि गुरुदेव टैगोर असाधारण प्रतिभा के लेखक, विचारक और कवि थे, जिन्होंने एक असाधारण दार्शनिक, शिक्षाविद, कलाकार और भारत की सभ्यतागत आत्मा की एक शाश्वत आवाज के रूप में भी अपनी छाप छोड़ी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरुदेव टैगोर ने मानवता की गहरी भावनाओं और भारतीय संस्कृति के सर्वोच्च आदर्शों को अभिव्यक्ति दी। गुरुदेव ने समाज को नए विचारों, रचनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास से समृद्ध किया।

श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्र गुरुदेव टैगोर को गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद करता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गुरुदेव के विचार लोगों के मन को प्रकाशित करते रहेंगे और उनके प्रयासों में उनका मार्गदर्शन करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा;

आज, पोचीशे बोइशाख के विशेष अवसर पर, हम गुरुदेव टैगोर को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

गुरुदेव टैगोर असाधारण प्रतिभा के धनी लेखक, विचारक और कवि थे। उन्होंने एक विशिष्ट दार्शनिक, शिक्षाविद, कलाकार और भारत की सभ्यतागत आत्मा की शाश्वत आवाज के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने मानवता की गहरी भावनाओं और हमारी संस्कृति के उच्च आदर्शों को अभिव्यक्ति दी। उन्होंने नए विचारों, रचनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास से हमारे समाज को समृद्ध किया।

हम उन्हें गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद करते हैं। उनकी विचारधाराएं हमारे मन को प्रकाशित करती रहें और हमारे प्रयासों में मार्गदर्शन करती रहें।

मदर्स डे पर मिला 'ममता' को सबसे बड़ा उपहार: योगी सरकार ने बदली खामोश दुनिया, अब स्कूल जा रही हैं मासूम बेटियां

(जीएनएस)।

लखनऊ। मदर्स डे का दिन एक मां के लिए तब और भी खास हो जाता है, जब उसे अपनी संतान की सलामती का सबसे बड़ा तोहफा मिले। कानपुर की दो मांओं ग्वालटोली की गीता गुप्ता और केशवपुरम की नेहा फातिमा के लिए यह दिन खुशियों का एक अलग एहसास लेकर आया है। इन दोनों मांओं की कहानी अलग जरूर है, लेकिन जीवन में खुशियों का उजाला लाने वाले एक ही हैं- एक मां की पीड़ा को महूसस कर उसका त्वरित निवारण करने वाले अत्यंत संवेदनशील मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ग्वालटोली की गीता गुप्ता बताती हैं, "उनकी बेटी खुशी सुन और बोल नहीं पाती थी, लेकिन आज वह पूरी तरह ठीक होने की राह पर है। जब खुशी ने पहली बार मुझे सुना, तो मुझे लगा जैसे पूरी दुनिया मिल गई। एक मां के लिए इससे बड़ी जीत क्या

होगी? ये सब योगी जी की वजह से हो पाया। मेरी बेटी को सरकार की मदद से इलाज मिला। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता ने मेरी बेटी की खामोश दुनिया बदल दी।" गीता बताती हैं कि खुशी पुलिस की वर्दी देखकर आकर्षित होती है। उन्हें भरोसा है कि उनकी बेटी एक दिन पुलिस अफसर बनकर देश का नाम रोशन करेगी।

केशवपुरम की रहने वाली नेहा फातिमा भी बेहद खुश हैं। उनकी 5 साल की मासूम बेटी मायरा फातिमा अब स्कूल जाती है। नेहा ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, "आज जब मैं मायरा को कॉपी-किताबों के साथ स्कूल जाते देखती हूं, तो मेरा दिल भर आता है। यह सब योगी जी के स्नेह और उनकी सरकार की मदद की वजह से मुमकिन हो पाया।"

नेहा ने अपनी बेटी की एक प्यारी बात साझा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब बच्ची से मुलाकात की थी, तब उसे चॉकलेट दी थी। आज भी जब किसी का फोन आता है, तो मायरा चहकते हुए पूछती है- "उन्हीं अंकल का कॉल आया है, जिन्होंने मुझे चॉकलेट दी थी?" नेहा के लिए अपनी बेटी को दूसरे बच्चों की तरह अच्छे स्कूल में पढ़ते देखना मदर्स डे का सबसे अनमोल उपहार है।

ममता बनर्जी के 'गढ़' में किसने किया विद्रोह? हार के बाद पार्टी पर सवाल उठाने वाले नेताओं को टीएमसी का नोटिस

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) के अंदरूनी खेमे में हड़कंप मच गया है। चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी की कार्यप्रणाली और नेतृत्व पर सवाल उठाने वाले नेताओं के खिलाफ टीएमसी ने अब 'सख्त एक्शन' लेने की तैयारी कर ली है। पार्टी ने अपने ही 5 कद्दावर नेताओं को 'कारण बताओ' नोटिस जारी कर सियासी गलियारों में सनसनी फैला दी है।

जैसे ही बंगाल में सत्ता परिवर्तन की तस्वीर साफ हुई, टीएमसी के कुछ वरिष्ठ नेताओं के सुर अचानक बदल गए। पार्टी का आरोप है कि इन नेताओं ने न केवल नेतृत्व की क्षमताओं पर सवाल उठाए, बल्कि सार्वजनिक मंचों पर ऐसी बातें कीं जो पार्टी की विचारधारा और अनुशासन के बिल्कुल विपरीत थीं। नोटिस में स्पष्ट रूप से पूछा गया है कि जब पार्टी एक कठिन दौर से गुजर रही है, तब

उन्होंने लीडरशिप के खिलाफ मोर्चा क्यों खोला?

नोटिस की लिस्ट में शामिल हैं ये बड़े नाम

जिन पांच नेताओं को नोटिस थमाया गया है, उनमें टीएमसी के तेज-तर्रार प्रवक्ता रिजू दत्ता और कोहिनूर मजूमदार का नाम प्रमुखता से शामिल है। इसके अलावा कृष्णेंदु चौधरी जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी जवाब तलब किया गया है। पार्टी ने इन सभी से पूछा है कि "आपके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए? आपने पार्टी के हित के बजाय विरोधियों को फायदा पहुंचाने वाली बयानबाजी क्यों की?

24 घंटे का 'अल्टीमेटम' और भविष्य की रणनीति

टीएमसी ने इन सभी बागी तेवर दिखाने वाले नेताओं को अपना पक्ष रखने के लिए महज 24 घंटे का वक्त दिया है। माना जा रहा है कि यदि इनका जवाब संतोषजनक नहीं रहा, तो पार्टी इन्हें बाहर का रास्ता दिखाने में देर नहीं करेगी। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी इस समय पार्टी में किसी भी तरह के विद्रोह को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं और यह नोटिस बाकी नेताओं के लिए भी एक बड़ा कड़ा संदेश है।फिलहाल, इन नेताओं के अगले कदम पर सबकी नजरें टिकी हैं कि क्या वे पार्टी के सामने झुकेंगे या फिर बंगाल की बदलती राजनीति में नई राह चुनेंगे।

योगी आदित्यनाथ ने सम्राट से क्या कहा? कोलकाता के शपथ समारोह मंच पर खिलखिला उठे संजय झा

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के दौरान एक दिलचस्प नजारा दिखा। मंच पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और जेडीयू नेता संजय झा के बीच हुई गुफ्तगू चर्चा का विषय बन गई है। योगी की ओर से उंगली दिखाकर दी गई सलाह पर तीनों नेता खिलखिला उठे।

(जीएनएस)।

पटना/कोलकाता: पश्चिम बंगाल में बीजेपी के लिए आज बड़ा दिन था। देश के इतिहास में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी। देश के तमाम बीजेपी और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। एनडीए के सभी सहयोगी पार्टियों के नेताओं की मौजूदगी दिखी। इनमें बिहार के मुख्यमंत्री सबसे नए सीएम में शुमार है। शपथ के बाद शुभेंदु अधिकारी हो गए। इस दौरान मंच पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बिहार के सीएम सम्राट चौधरी के बीच एक केमिस्ट्री भी दिखी।

जब योगी और सम्राट मिले

पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में आज का दिन बीजेपी के लिए स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार का गठन हुआ। इस भव्य समारोह में एनडीए शासित राज्यों के

दिग्गज नेताओं का जमावड़ा लगा। विशेष रूप से बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच की बॉन्डिंग ने सबका ध्यान खींचा। शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण के लिए सजी मंच पर बैठे योगी आदित्यनाथ और सम्राट चौधरी के बीच एक खास पल कैमरे में कैद हुआ। इस दौरान शासन-प्रशासन के 'टिप्स' और सियासी हंसी-मजाक का दौर चलता रहा।

दरअसल, कोलकाता में आयोजित शपथ समारोह के मंच पर जो सीटिंग अरेंजटमेंट था, उसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बदल में जेडीयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा बैठे थे। योगी आदित्यनाथ के ठीक पीछे वाली कुर्सी पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बैठे थे। अगल-बगल होने की वजह से संजय झा और योगी आदित्यनाथ आपस में कुछ बाते कर रहे थे। बातों से ऐसा लग रहा है कि योगी आदित्यनाथ संजय झा को कुछ-कुछ समझा रहे हैं।

खिलखिला उठे संजय झा

इसी दरम्यान इस बातचीत में सम्राट चौधरी भी शामिल हुए। फिर योगी आदित्यनाथ नाथ में सम्राट चौधरी की उंगली का इशाराकर कुछ समझा रहे हैं। पीछे की ओर गर्दन झुकाकार उन्होंने जोर देकर सम्राट को कुछ समझाया। इसके बाद सम्राट चौधरी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। फिर संजय झा खिलखिलाकर हंस पड़े। हालांकि, योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता बताए रखी। ऐसा लग रहा कि योगी आदित्यनाथ सम्राट चौधरी को शासन-प्रशासन चलाने का कुछ टिप्स दे रहे थे।

दिल्ली सीएम ने भी उठाया लुत्फ

योगी आदित्यनाथ और सम्राट चौधरी का गुफ्तगू का दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी खूब एनजॉय किया। सियासी गलियारों में चर्चा है कि योगी आदित्यनाथ ने सम्राट चौधरी को बिहार में शासन और प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त रखने का कोई 'विशेष मंत्र' दे रहे थे। हाल ही में सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री बने हैं और अक्सर अभी भाषण में यूपी के 'योगी मॉडल' का जिक्र करते रहे हैं।

कोलाकाता में आज क्या हुआ?

शुभेंदु अधिकारी ने पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

शुभेंदु अधिकारी के साथ 5 विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी-गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।

एनडीए शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों की भी मौजूदगी दिखी।

न पैसों की टेंशन, न कागजों की देरी! मरीजों के लिए वरदान बनी भगवंत मान सरकार की 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना'

(जीएनएस)।

दिल का दौरा पड़ने की स्थिति में हर सेकंड कीमती होता है। कुछ मिनटों की देरी जीवन और मृत्यु के बीच अंतर पैदा कर सकती है। पंजाब में अब समय के साथ चल रही यह जंग लगातार जीती जा रही है, क्योंकि भगवंत मान सरकार की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत तेज और कैशलेस एंजियोप्लास्टी सेवाएं मरीजों को जरूरत पड़ने पर समय पर यह आपातकालीन इलाज उपलब्ध करवा रही हैं।

हार्ट अटैक केवल एक चिकित्सीय आपातकालीन स्थिति ही नहीं होता, बल्कि यह परिवारों पर आर्थिक बोझ भी डालता है। पहले इलाज के लिए पैसों का प्रबंध करने, जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने और अस्पताल से मंजूरी लेने में परिवारों का कीमती समय बर्बाद हो जाता था।

मरीजों के लिए वरदान बनी 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना'

अब यह स्थिति तेजी से बदल रही है। स्वास्थ्य कार्ड सिस्टम के तहत सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में पहुंचने वाले मरीजों की जांच और आपातकालीन एंजियोप्लास्टी की प्रक्रिया, इलाज से पहले भुगतान में होने वाली देरी के बिना, तेजी से पूरी की जा रही है। यह बदलाव विशेष रूप से 'गोल्डन ऑवर'- अर्थात हार्ट अटैक के बाद के पहले 60 मिनट - के दौरान कीमती जानें बचाने में निर्णायक साबित हो रहा है।

विश्व स्तर पर हृदय संबंधी बीमारियां मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बनी हुई हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लगभग 17.9 मिलियन लोगों की मौत हृदय रोगों के कारण होती है। इनमें बड़ी संख्या ऐसे मामलों की होती है, जहां इलाज में हुई देरी जानलेवा साबित होती है। पंजाब की स्वास्थ्य प्रणाली अब इस चुनौती

से सक्रिय रूप से निपट रही है।

राजभर के डॉक्टरों के अनुसार, दिल की बीमारियों के मामले अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि युवाओं में भी तेजी से बढ़ रहे हैं। आरामदायक जीवनशैली, तनाव, अस्वास्थ्यकर खानपान और डायबिटीज के बढ़ते मामले इसके मुख्य कारणों में शामिल हैं। हालांकि, इसके साथ-साथ हृदय संबंधी बीमारियों के आपातकालीन इलाज तक पहुंच भी पहले से बेहतर हुई है।

स्टेट हेल्थ एजेंसी के अनुसार, पिछले कुछ महीनों के दौरान स्वास्थ्य योजना के तहत कुल 5,054 हृदय संबंधी सर्जरियां की गई हैं। इनमें 5,000 परक्यूटेनियस ट्रांसल्यूमिनल कोरोनरी एंजियोप्लास्टी (पीटीसीए) प्रक्रियाएं शामिल हैं, जिनमें डायग्नोस्टिक एंजियोग्राम भी शामिल हैं, जबकि 54 मामलों में पेरिफेरल एंजियोप्लास्टी की गई। इन इलाजों की कुल लागत लगभग 49.6 करोड़ रुपये रही, जिसमें पीटीसीए प्रक्रियाएं संख्या और कुल खर्च दोनों मामलों में सबसे अधिक रहीं।

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इस योजना का प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, "अब अधिक मरीज उन स्थितियों से भी बच रहे हैं, जिन्हें पहले लगभग जानलेवा माना जाता था। ऐसे नाजुक समय में स्वास्थ्य कार्ड सिस्टम के कारण इलाज की तेजी ही राज्य के लिए जीवनरक्षक बन रही है।"

अस्पतालों के कार्डियोलॉजी विभाग को तेजी से नई जरूरतों के अनुरूप ढाला जा रहा है। आपातकालीन प्रोटोकॉल इस प्रकार सुव्यवस्थित बनाए जा रहे हैं कि हार्ट अटैक के संभावित मरीजों की तुरंत जांच हो सके और प्रशासनिक कार्रवाई में फंसे बिना उन्हें आवश्यक इलाज उपलब्ध कराया जा सके।

फ्रीड्डीेल्ल्लीि ऋड्ड१ ड्ड४

पंजाब में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी के भूमि धोखाधड़ी मामले में ईडी ने व्यापक छापेमारी की

पंजाब में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी के भूमि धोखाधड़ी मामले में ईडी ने व्यापक छापेमारी की

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और राजिंदरा अस्पताल, पटियाला के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सौरभ शर्मा ने कहा, "स्वास्थ्य कार्ड लोगों को समय पर इलाज दिलाने में मदद कर रहा है। इलाज के खर्च को लेकर जो हिचकिचाहट पहले होती थी, वह अब काफी हद तक कम हो गई है। पहले कई परिवार इलाज की लागत को लेकर असमंजस में रहते थे, जिसके कारण प्रक्रिया के लिए मंजूरी देने में देरी होती थी।" डॉ. शर्मा ने आगे कहा कि कैशलेस सुविधा उपलब्ध होने से यह रुकावट लगभग समाप्त हो चुकी है।

यह बदलाव जिलों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। पहले मरीजों को बड़े शहरों के अस्पतालों में रेफर किए जाने के कारण खतरनाक देरी का सामना करना पड़ता था। अब योजना के तहत अधिक अस्पतालों के सूचीबद्ध होने और बेहतर सुविधाओं से लैस होने के कारण कई केंद्र लंबी दूरी तक रेफर किए बिना ही एंजियोप्लास्टी शुरू करने में सक्षम हो गए हैं।

लखनऊ में कार सवारों की दबंगई, ट्रैफिक पुलिसकर्मी को बोनट पर लटकाकर 200 मीटर तक दौड़ाई कार

लखनऊ में चेकिंग के दौरान एक कार चालक ने ट्रैफिक सिपाही को बोनट पर 200 मीटर तक घसीटा। बाद में पकड़े गए चालक को वकीलों ने हंगामा कर कोतवाली से छुड़ा लिय

(जीएनएस)।

लखनऊ। वर्ष 2005 में तत्कालीन सपा सरकार के पांच कार्यकताओं ने तत्कालीन सीओ राजेश साहनी को बोनट पर लादकर चौक से हजरतगंज तक घुमाया था, ठीक उसी अंदाज में आज राजधानी में फिर घटना हुई।

कमता तिराहे पर चेकिंग के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मी को कार की बोनट पर 200 मीटर तक घसीट ले गए। पुलिस आरोपित को पकड़कर कोतवाली तक ले गई लेकिन कुछ वकील हंगामा करते हुए उसे छुड़ा ले गए।

अयोध्या रोड स्थित कमता तिराहे पर इन दिनों जाम से निजात दिलाने के लिए ट्रैफिक पुलिस सख्ती से अभियान चला रही है। शनिवार को ट्रैफिक सिपाही गौरव बंसल सड़क किनारे खड़े बेतरतीब वाहनों को हटवा रहे थे। इसी दौरान एक कार में पांच-छह लोग बैठे दिखाई दिए।

सिपाही को वाहन डग्गामार लगा

तो उन्होंने चालक को रोककर नीचे उतरने के लिए कहा। आरोप है कि चालक ने कार रोकने के बजाय सिपाही पर ही वाहन चढ़ाने की कोशिश की। इससे गौरव लड़खड़ाकर कार की बोनट पर गिर पड़े।

चालक ने कार नहीं रोकी और करीब 200 मीटर तक बोनट पर लादकर दौड़ाता रहा। सिपाही के शोर मचाने पर आसपास मौजूद अन्य पुलिसकर्मी हरकत में आए और कार का पीछा किया। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर कार को चिनहट तिराहा ओवरब्रिज के पास रोक लिया।

यह वीडियो भी देखें

इसके बाद चालक को कार समेत चिनहट कोतवाली ले जाया गया। ट्रैफिक सिपाही गौरव बंसल ने वाहन नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ तहरीर दी। हालांकि कुछ देर बाद चालक के पक्ष में वकील की वेशभूषा में लोग कोतवाली पहुंच गए।

आरोप है कि उन्होंने हंगामा किया और चालक को छुड़ाकर अपने साथ ले गए। दूसरी ओर चालक पक्ष का आरोप है कि ट्रैफिक सिपाही ने उनके साथ अभद्रता और मारपीट की थी। चिनहट इंस्पेक्टर दिनेश मिश्र ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर मिली है। आसपास लगे सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में पुलिसकर्मियों के साथ हुई प्रमुख घटनाएं

12 अगस्त 2024: कृष्णानगर में वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक ने दरोगा को कार से टक्कर मार दी थी। हादसे में दरोगा घायल हो गए थे।

3 फरवरी 2023: हजरतगंज में ई-रिक्शा रोकने पर दबंगों ने ट्रैफिक सिपाही से मारपीट की थी और वर्दी फाड़ दी थी।

18 सितंबर 2022: गोमतीनगर विस्तार में पुलिस टीम पर अवैध कब्जा हटाने के दौरान हमला हुआ था, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

कौन हैं अशोक कीर्तनिया? मुख्यमंत्री सुवेंदु के मंत्रिमंडल में मिली जगह, चर्चा में करोड़ों का साम्राज्य और मुकदमे

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में 9 मई 2026 की तारीख स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गई है। दशकों के इंतजार के बाद बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (BJP) की सरकार का सूर्योदय हुआ है। कोलकाता का ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड उस समय जय श्री राम के नारों से गूंज उठा, जब सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस नई सरकार में मतुआ समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले और बोंगांव उत्तर के कद्दावर विधायक अशोक कीर्तनिया ने भी मंत्री पद की शपथ लेकर अपनी नई पारी की शुरूआत की है। आइए जानतें हैं कौन हैं अशोक कीर्तनिया, जिन्हें नई सरकार में मिली है बड़ी जिम्मेदारी?

अशोक कीर्तनिया केवल एक

विधायक नहीं, बल्कि उत्तर 24 परगना जिले के मतुआ बहुल इलाकों में भाजपा के सबसे भरोसेमंद योद्धा माने जाते हैं। 52 वर्षीय कीर्तनिया ग्रेजुएट हैं और एक सफल राजनेता के साथ-साथ व्यवसायी भी हैं।

लगातार दूसरी बार दर्ज की रिकॉर्ड जीत

जीत का रिकॉर्ड: मई 2021 में वे पहली बार विधायक चुने गए थे। तब उन्होंने टीएमसी के श्यामल रॉय को करीब 10,488 वोटों से हराया था।

2026 में ऐतिहासिक जीत: इस बार के विधानसभा चुनाव में अशोक कीर्तनिया ने अपनी लोकप्रियता साबित करते हुए बोंगांव उत्तर सीट पर टीएमसी के बिस्वजीत दास को 40,670 वोटों के भारी अंतर से पटखनी दी। उन्हें कुल वोटों का 56.46 प्रतिशत (1,19,317 वोट) प्राप्त हुआ, जो उनके प्रति जनता के अटूट विश्वास को दशार्ता है।

चुनौतियों के बीच मतुआ समाज की बने आवाज

बंगाल चुनाव 2026 के दौरान मतुआ बहुल इलाकों में 'मतदाता सूची से नाम हटने' (रक्क्ष प्रक्रिया) को लेकर बड़ा संकट खड़ा हुआ था। ठाकुरनगर जैसे केंद्रों पर नागरिकता की उम्मीद लगाए बैठे परिवारों में डर का माहौल था। ऐसे कठिन समय में अशोक कीर्तनिया और बीजेपी के अन्य नेताओं ने न केवल समुदाय का ढांढस बंधाया, बल्कि यह सुनिश्चित किया कि मतुआ समाज का वोट बैंक भाजपा के पक्ष में मजबूती से खड़ा रहे। 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 207 सीटें दिलाने में मतुआ समुदाय का (लगभग 45-50 सीटों पर प्रभाव) बहुत बड़ा योगदान रहा है।

अशोक कीर्तनिया की प्रोफाइल:

अशोक कीर्तनिया पश्चिम बंगाल की बांगांव उत्तर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और विधायक हैं। 52 वर्षीय कीर्तनिया ने अपनी शिक्षा स्नातक तक पूरी की है और वे पेशे से एक राजनीतिज्ञ व व्यवसायी हैं। मतुआ समुदाय से आने वाले कीर्तनिया इस समाज के एक मजबूत स्तंभ माने जाते हैं। हालांकि, उनके खिलाफ वर्तमान में तीन आपराधिक मामले भी दर्ज हैं।

अशोक कीर्तनिया की संपत्ति

साल 2026 के चुनावी हलफनामे के अनुसार, अशोक कीर्तनिया की कुल संपत्ति लगभग 4 करोड़ रुपये है।

केसरी खेड़ा फ्लाइ पर जून से फरार्टा भरेंगे वाहन, लखनऊ-कानपुर मार्ग से कनेक्टिविटी और 6 लाख की आबादी को मिलेगा फायदा

(जीएनएस)।

जागरण संवाददाता, लखनऊ। छह लाख आबादी को केसरी खेड़ा रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) 28 जून से राहत देने जा रहा है। क्योंकि उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम ने गर्डर से जुड़ा काम पूरा कर लिया है। यहां शटरिंग का काम अगले सप्ताह से शुरू कर दिया जाएगा और फिर कंक्रीट का काम होगा।

कंक्रीट के थोड़ा मजबूत होते ही दो पहिया वाहनों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा और फिर कुछ दिनों बाद चार पहिया वाहनों के लिए आरओबी को खोल दिया जाएगा। इससे कृष्णा नगर, विजय नगर, केसरीखेड़ा, नरायनपुरी, कनौसी, पारा, अलीनगर, सुनेहरा, आलमबाग, ट्रांसपोर्ट नगर के लोगों को लाभ होगा। वर्तमान में यहां के लोगों को रेलवे क्रासिंग के किनारे तीन सौ मीटर का अस्थायी रोड बनाकर रास्ता दिया गया है।

सेतु निगम के अधिकारियों ने बताया कि कृष्णा नगर-केसरी खेड़ा मार्ग पर दो लेन का आरओबी बनाने का काम दो फरवरी 2024 को शुरू किया गया था। शुरूआती माह में यहां एक मकान के कारण कुछ सप्ताह तक काम प्रभावित रहा, संबंधित भवन स्वामी द्वारा मकान स्वयं तोड़ने के बाद निगम ने आरओबी का काम तेज कर दिया।

910.671 मीटर लंबे सेतु को 8400.52 लाख की लागत से बनाया जा रहा है। इसके बनने से लखनऊ-कानपुर मार्ग का सीधा संपर्क कृष्णा नगर होते हुए लखनऊ-हरदोई एवं लखनऊ-मोहान मार्ग से हो जाएगा।

वर्तमान में इस रोड पर भारी वाहनों का आवागमन था और दिन भर में दर्जनों बार क्रासिंग खुलती और बंद होती थी। इससे दिन भर जाम की स्थिति बनी रहती थी। अब आरओबी बनने से इससे निजात मिल जाएगी।

52.910 मीटर है एक गर्डर, छह गर्डर रखे गए

रेलवे ट्रैक के हिस्से का काम वैसे तो रेलवे को करना था लेकिन यहां आपसी सहमति पर सेतु निगम ने किया। सेतु निगम ने दोनों छोर पर 52.910 मीटर लंबे और 2.52 मीटर चौड़े गर्डर रखे हैं। क्रेन मशीन की मदद से गर्डर रखने का काम करीब दस दिन चला।

बता दें कि रेलवे ने अपने हिस्से का काम कराने के लिए पूरा बजट भी सेतु निगम को दे दिया था। यहां गर्डर पर स्लैब ढालने के दौरान ट्रेनों को कुछ समय के लिए रोककर चलाया जाएगा।